एक नजर में

शादी के तीन दिन बाद गायब हुई लुटेरी दुल्हन

मोहन बड़ोदिया, 17 मई . मोहन बड़ोदिया क्षेत्र में शादी के महज तीन दिन बाद नवविवाहिता के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है. घटना के बाद पति ने पत्नी की गुमशुदगी के साथ.साथ धोखाधड़ी की आशंका भी जताई है. मामले की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है और पुलिस जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार ग्राम डुंगरी निवासी रामनिवास ने मोहन बड़ोदिया पुलिस थाना में दिए शिकायती आवेदन में बताया कि वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है. उसकी शादी हाल ही में 21 वर्षीय नंदनी बाई के साथ शाजापुर कोर्ट मैरिज के माध्यम से हुई थी. महिला महाराष्ट्र के नाचणगांव रोड पुलगांव, तहसील देवली, जिला वर्धा की रहने वाली बताई गई है .रामनिवास ने बताया कि 15 मई को वह अपनी पत्नी नंदनी और छोटे भाई जगदीश के साथ बैजनाथ मंदिर आगर दर्शन करने गया था. मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान नंदनी ने बाथरूम जाने की बात कही और वहां से चली गई. काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो रामनिवास और उसके भाई ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला. इसके बाद परेशान पति ने मामले की लिखित शिकायत आगर पुलिस थाना में भी दर्ज कराई. पुलिस ने महिला की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है. मीडिया से चर्चा करते हुए रामनिवास ने बताया कि उसकी शादी दोनों की सहमति से कराई गई थी. उसने आरोप लगाया कि शादी कराने वाले एक बिचौलिए भूरा भाई को उसने करीब 1 लाख 10 हजार रुपये दिए थे. युवक का कहना है कि शादी के केवल तीन दिन बाद पत्नी का इस तरह अचानक गायब हो जाना कई सवाल खड़े करता है. उसे शंका है कि कहीं यह पूरा मामला शादी के नाम पर धोखाधड़ी का तो नहीं है. फिलहाल पुलिस महिला की तलाश के साथ साथ पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है. वहीं क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है.

कियोस्क के गल्ले से 31,200 ले उड़े चोर

मोहन बड़ोदिया, 17 मई . मोहन बड़ोदिया में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के कियोस्क से शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे दुकान के गल्ले से कोई अज्ञात बदमाश 31,200 ले उडे. फरियादी गजराज सिंह पिता रामसिंह निवासी टिगरिया ने मोहन बड़ोदिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है कि मेरी मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के सामने कियोस्क की दुकान है जिसमें मप्र ग्रामीण बैंक का कियोस्क सचालित है. दिनांक 15 मई की दोपहर 12.30 बजे 10 मिनट के लिए घर पर खाना खाने गया और आकर देख तो दुकान के गल्ले से 31,200 गायब मिले. 31,200 में 31000 तो 500-500 के नोट और दो 100-100 के नोट शामिल थे जो चोरी हो गए. जिस पर मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी अरविंद सिंह तोमर ने बताया कि शिकायती आवेदन प्राप्त हुआ है, आवेदन के आधार पर विवेचना की जाएगी.

पत्रकारों व सहयोगियों का किया सम्मान

आगर मालवा, 17 मई . गत दिवस श्री महावीर सेवा समिति द्वारा श्री जैन ओसवाल धर्मशाला में मिलन समारोह एवं स्नेह भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में समिति के सदस्य व समिति का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले समाज जनों तथा पत्रकार उपस्थित हुए. कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों ने युवा समाज सेवी सुधीर भाई जैन, विशाल जैन नाना, कपिल खंडेलवालए, पत्रकार बैजू शर्मा, अजय झंजी, महेंद्र परमार, मनीष मारू तथा भोजन निर्माण करने वाले प्रकाश माली का तिलक लगाकर व मोती की माला पहनाकर सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किए. कार्यक्रम में नीरज जैन, शीष जैन सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य मौजूद रहे.

6 दिन बाद ही पुलिस ने ढूंढ निकाला चोरी गया ट्रेक्टर

शाजापुर, 17 मई . जिले के ग्राम तिलावद से 11 मई की रात को चोरी गए ट्रेक्टर के मामले में बेरछा पुलिस ने सफलता प्राप्त करते हुए वाहन को बरामद कर लिया है. पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायालय से जेल भेज दिया गया है. बेरछा थाना प्रभारी भरतसिंह किरार ने बताया कि फरियादी जीवन प्रजापति का महिंद्रा कंपनी का ट्रेक्टर ट्रॉली सहित अज्ञात बदमाश ग्राम तिलावद गोविन्द स्थित भेरू महाराज वाले खेत के पास स्थित ईंट भट्टे से चुरा ले गए थे. इस संबंध में 15 मई को थाना बेरछा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया. टीम ने एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और पुराने चोरी के मामलों में शामिल आरोपियों से पूछताछ की. जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी किया गया ट्रैक्टर ट्रॉली ग्राम तिलावद गोविन्द और सेतखेड़ी के बीच झाड़ियों में छिपाकर रखा गया है. मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी रामचरण पिता दयाराम गुर्जर 25 और राहुल पिता बालू गुर्जर 32 दोनों निवासी ग्राम सेतखेड़ी को गिरफ्तार किया. इनके कब्जे से चोरी किया गया ट्रैक्टर ट्राली बरामद कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया.

बेसहारा मवेशी को अपना बताकर ले जा रहा था युवक

शाजापुर, 17 मई . बेसहारा मवेशियों का सहारा बने नगर के गौरक्षकों ने एक बेसहारा गाय को चोरी होने से बचाया, जिन्होंने एक युवक को पकड़ा और पुलिस के हवाले किया. युवक पहले गाय को अपना बताने लगा लेकिन बाद में बदल गया, जिसके चलते गौरक्षकों ने शक होने पर उससे पूछताछ की और उसने सच कबूल दिया. जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे पचोर निवासी विशाल नाम का युवक सोमवारिया बाजार क्षेत्र से एक गाय को लेकर जा रहा था. लोगों को शक हुआ तो उन्होंने इसकी सूचना गौरक्षक धर्मेन्द्र शर्मा को दी. मौके पर पहुंचे शर्मा ने युवक से गाय ले जाने का कारण पूछा. युवक ने बताया कि यह उसकी गाय है ओर दूध कम दे रही थी, लेकिन उसकी बात में सच्चाई नजर नहीं आ रही थी. इस पर उन्होंने उससे सख्ती से पूछताछ की ।तो उसने सच बताते हुए कहा कि वह दूध के लिए इस गाय को अपने साथ ले जा रहा था. इस पर शर्मा ने उससे गाय को छुड़वाया और उसे थाने लेकर पहुंचे. जहां पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है. कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि युवक से थाने में पूछताछ की जा रही है. उन्होंने कहा कि अभी तक इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है, पुलिस पूरे मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया

शाजापुर, 17 मई . कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य के मार्गदर्शन में गत दिवस जिला मलेरिया कार्यालय शाजापुर में राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया गया. इसके अंतर्गत डेंगू बीमारी से बचाव के लिए शपथ ली गई, जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. केपी सिह द्वारा डेंगू जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसने शाजापुर शहर के संपूर्ण नगरीय क्षेत्र में एक दिवस भ्रमण किया. साथ ही डेंगू रोग से बचाव के लिए अपने घरों के आसपास मच्छरजन्य परिस्थिति निर्मित न हो, माईकींग के द्वारा प्रचार प्रसार एवं पेम्पलेटस वितरित की.

वन विभाग से हो गई डील, लकड़ी माफियाओं को मिल गई ढील

खुलेआम अवैध लकड़ियों का कारोबार शुरू, बेखौफ होकर कर रहे परिवहन

शाजापुर, 17 मई. शाजापुर पहले ही वन के मामले में शून्य है. जो कुछ लकड़ियां बची हैं, उसे माफिया खत्म करने पर लगे हैं. धर्म जागरण के आंदोलन के बाद शहर में कुछ दिन तक अवैध लकड़ियों का कारोबार बंद था, लेकिन अब लकड़ी माफियाओं ने वन विभाग से डील कर ली और वन विभाग ने इन लकड़ी माफियाओं को लकड़ी काटने के नियमों में ढील दे दी है. आरा मशीन पर फिर अवैध लकड़ियों का जखीरा लगना शुरू हो गया है.

गौरतलब है कि शाजापुर में अधिकांश आरा मशीन पर अवैध लकड़ी का कारोबार धड़ल्ले से जारी है. कुछ दिन की सख्ती के बाद वन विभाग के कई कर्मचारी लकड़ी माफियाओं के साथ मिलकर लकड़ी माफियाओं को संरक्षण दे रहे हैं. यहां तक कि वन विभाग में कुछ कर्मचारी तो ऐसे हैं कि कार्यवाही करने के पहले ही लकड़ी माफियाओं को सूचना देकर सतर्क कर देते हैं. चार महीने पहले हिंदू संगठन ने लकड़ी माफियाओं को लेकर आंदोलन किया था. उसके बाद से कुछ दिनों तक अवैध कटाई पर रोक लग गई थी, लेकिन एक बार फिर लकड़ी माफियाओं ने वन विभाग को मोटी रकम से नवाजते हुए फिर अवैध कटाई को अंजाम देना शुरू कर दिया.

चर्चा में है ये ट्रेक्टर-ट्रॉली

लकड़ी माफियाओं ने कार्यवाही से बचने के लिए एक नया तरीका निजात किया है. एक ट्रेक्टर-ट्रॉली है, जिस पर हिंदू शमशान लिखा हुआ है. जब भी कोई पुलिस वाला इस ट्रॉली को रोकता है, तो यह कहकर बच जाते हैं कि ये लकड़ी शमशान में जा रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हिंदू शमशान की जगह ये लकड़ी माफियाओं की आरा मशीन से निकलकर बिकने जाती है. इन दिनों शहर में हिंदू शमशान लिखी हुई इस ट्रेक्टर-ट्रॉली की चर्चा जबरदस्त है. क्योंकि जिस तरीके से इस ट्रॉली में रोज लकड़ी भरकर जा रही है, उस हिसाब से तो हिंदू शमशान में इतनी लकड़ी जमा हो जाती कि रखने की जगह ही नहीं बचती.

वन विभाग को मिल रही है लकड़ी माफियाओं से मोटीरकम ...

वन विभाग के कई कर्मचारी लकड़ी माफियाओं के संरक्षणकर्ता बने हुए हैं. यही कारण है कि वन विभाग के संरक्षण में खुलेआम फिर से लकड़ियों की अवैध कटाई शुरू हो गई है. पेड़ों की हत्या से शाजापुर में वन न के बराबर बचा है. जो बचे हैं वे भी लकड़ी माफियाओं ने धराशायी कर दिए हैं. अब देखना है कि अवैध लकड़ी का कारोबार बंद होता है या फिर वन विभाग के संरक्षण में ये फलता-फूलता रहेगा.

शाम होते ही शुरू हो जाता है लकड़ियों का अवैध परिवहन

एक तरफ पर्यावरण के नाम पर पौधा तो रोपा जाता है, लेकिन दूसरी तरफ लकड़ी माफिया खुलेआम हरे पेड़ काटने में लगे हुए हैं. जिन पर कोई लगाम नहीं है. शाम होते ही ट्रेक्टर-ट्रॉली से लकड़ियों का अवैध परिवहन शुरू हो जाता है, जो देर रात तक जारी रहता है. शहर की आधा दर्जन आरा मशीनों पर इन दिनों अवैध लकड़ियों का भंडारण है.

ना ग्रीन है, ना क्लीन है शाजापुर

ग्रीन शाजापुर, क्लीन शाजापुर का नारा अब बेमानी साबित हो रहा है. क्योंकि अब शाजापुर न तो ग्रीन है और न ही क्लीन है. एक तरफ जंगल माफिया हरे पेड़ों की बलि देकर हरियाली को खत्म करने में लगे हुए हैं, तो दूसरी तरफ नगर सरकार शहर की स्वच्छता को लेकर मौन है. शाजापुर न तो अब ग्रीन बचा है और न ही क्लीन बचा है.

अध्यक्ष कह रहे दिन है, तो सीएमओ बता रहे अंधेरी रात का प्रभाव है...

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

शाजापुर नगर पालिका इन दिनों विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है. अब आप कहेंगे कि सड़कों के गड्ढे तो वैसे ही हैं, शहर की समस्या जस की तस है, फिर विकास कैसा? अरे भाई, विकास सड़कों का नहीं, नगर पालिका के भीतर गुटबाजी और खींचतान के हुनर का हुआ है. सुना है कि आजकल नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के बीच कुर्सी की ऐसी जुगलबंदी चल रही है कि अच्छे-अच्छे राजनीतिक पंडित भी सिर पकड़कर बैठ गए हैं. दोनों के बीच इस कदर 36 का आंकड़ा है कि अगर अध्यक्ष जी कहें कि दिन है, तो अधिकारी साहब तुरंत फाइल पर लिख देते हैं अंधेरी रात का प्रभाव. अत: कार्य नामंजूर. इस पूरे दंगल की असली जड़ क्या है. जनता सोचती है जनसेवा, लेकिन समझदार लोग जानते हैं कि असली बात तो मलाई की है. जब तक दोनों तरफ की रजामंदी से फाइल आगे न बढ़े, तब तक विकास कार्य भी शहर के चौराहों पर खड़ा होकर अपनी बारी का इंतजार करता है. अध्यक्ष जी का तर्क है जनता ने हमें चुनकर भेजा है, तो मलाई पर पहला हक हमारा होना चाहिए. वहीं साहब का तर्क है कि सरकार हमें चलाती है, पेन की ताकत हमारे पास है, तो बिना हमारे साइन के पत्ता भी नहीं हिल सकता. इस खींचतान में फाइलें ऐसे टेबल-टू-टेबल फुटबॉल की तरह घूम रही हैं, जैसे कोई वर्ल्ड कप का फाइनल चल रहा हो. जनता बेचारी टैक्स भरकर इस मैच की मूक दर्शक बनी हुई है. नगर पालिका का दफ्तर अब दफ्तर कम और महाभारत का कुरुक्षेत्र ज्यादा लगने लगा है. कर्मचारियों ने भी अपनी-अपनी सहूलियत के हिसाब से गुट चुन लिए हैं. एक कर्मचारी चाय की चुस्की लेते हुए दूसरे से कहता है भैया, आज अध्यक्ष जी के केबिन में गए थे या साहब के... देख लेना, गलत गुट में हाजिरी लगाई, तो सस्पेंशन का लेटर तैयार मिलेगा. शहर की जनता को लग रहा था कि नई नगर पालिका आएगी, तो शाजापुर की सूरत बदलेगी. सूरत तो नहीं बदली, हां, नपा के भीतर के चेहरों के रंग जरूर बदल गए हैं. हर टेंडर पर ऐसी नजर रखी जाती है, जैसे बाज अपने शिकार पर रखता है. मलाई का गणित इतना उलझा हुआ है कि इसके आगे अल्बर्ट आइंस्टीन का सापेक्षता का सिद्धांत भी फेल हो जाए. यहां सूत्र सीधा है - यानि जितनी ज्यादा मलाई और गुटबाजी होगी, विकास कार्य उतने ही शून्य की तरफ बढ़ेगा. शाजापुर की जनता अब इस गुटबाजी से तंग आकर बस यही दुआ कर रही है कि हे प्रभु! इन दोनों गुटों में जल्दी से सद्बुद्धि का टेंडर पास हो जाए. मलाई कोई भी खाए, बस शहर की सड़कों के गड्ढे भर जाएं, ताकि जनता नगर पालिका के इस महासंग्राम को देखते-देखते किसी गड्ढे में समाने से बच जाए. अब देखना दिलचस्प होगा कि इस खींचतान में साहब भारी पड़ते हैं या अध्यक्ष जी या फिर हमेशा की तरह जनता के हिस्से में सिर्फ आश्वासन का झुनझुना ही आता है. शुरुआत में प्रेम को संतोष नहीं था और संतोष को प्रेम नहीं था. हालांकि अभी भी प्रेम और संतोष एक-दूसरे की तरफ पीठ करके ही सो रहे हैं. लेकिन नगर पालिका के बाबा के आने से अब बाबा का जैन के प्रति प्रेम नहीं है और जैन का बाबा के प्रति प्रेम नहीं है. याने कि अब नगर पालिका में त्रिकोणिय संघर्ष चल रहा है प्रेम के लिए.

लक्ष्मी दर्शन में अव्वल मैडम...

नगर पालिका में एक दशक से पदस्थ इंजीनियर मैडम लक्ष्मी दर्शन में अव्वल हैं. नगर पालिका के सभी लक्ष्मी दर्शन के काम उनके ही पास हैं. उनकी कलम से कभी भी घटिया निर्माण पर लाल स्याही नहीं चली. ना ही उन्होंने कभी किसी घटिया काम को रोका है. लगभग सभी बड़े काम मैडम की टेबल से ही गुजरते हैं. एक युवा इंजीनियर आए थे, उन्होंने कुछ करने का प्रयास किया, तो उन्हें जिलाबदर (तबादला) कर दिया. लगता है मैडम शाजापुर नगरपालिका से ही सेवानिवृत्त होंगी.क्योंकि अब तक सबसे लंबी पारी खेलने का रिकॉर्ड बना चुकी हैं.

चिंता में फ्लैक्समीनिया

मेरा पोस्टर ही मेरा किरदार है. खंभे से उतरा तो नक्शे से भी उतर जाऊंगा. शहर के फ्लैक्समीनिया को अब इस बात की चिंता सताने लगी है कि शहर में सड़क चौड़ीकरण के लिए जिन खंभों पर नेता लटके हैं, वे खंभे हटेंगे. नेताओं को इस बात की चिंता हो रही है कि अब वे कहां लटकेंगे और कोई उन्हें देख भी पाएगा या नहीं. वैसे सरकार को चाहिए कि शहर में एक स्थान ऐसा बना दे, जहां नेताओं को लटकने की सुविधा हो. और यदि ऐसा न हो, तो फिर नेताओं को डॉ. एम शाह की तर्ज पर छोटे पोस्टर बनाकर सुविधाघरों में चिपका देना चाहिए.

अंत में...

सच्चाई और ईमानदारी तो बस किताबों की बातें हैं, यहां तो दिन में भी अंधेरी गुटों की रातें हैं. तुम अपनी टोली संभालो, हम अपना कुनबा सजाते हैं. चलो दोनों मिलकर इस नपा की बैंड बजाते हैं.

बाबा बैजनाथ धाम में विहिप की जिला बैठक संपन्न

आगर मालवा, 17 मई. विश्व हिंदू परिषद की प्रतिमाह आयोजित होने वाली जिला बैठक रविवार को बाबा बैजनाथ मंदिर टाउन हॉल में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष किशोर बैरागी, जिला संगठन मंत्री मोहन सिंह राठौड़, जिला मंत्री जितेंद्र सिंह राठौड़ मंचसीन रहे. श्री राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत जिला बैठक की शुरुआत की गई. बैठक में जिला संगठन मंत्री मोहन सिंह राठौड़ जिला मंत्री जितेंद्र सिंह राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया. बैठक में परिषद वर्ग मातृशक्ति वर्ग एवं संगठन में दायित्व के बारे में विस्तृत जानकारी कार्यकर्ताओं को प्रदान की गई. बैठक में मुख्य रूप से बजरंग दल विभाग सहसंयोजक रवि चौहान, जिला कोषाध्यक्ष प्रकाश शर्मा के साथ अन्य जिला प्रखंड की पदाधिकारी जिला बैठक में सम्मिलित हुए. उक्त जानकारी जिला सह प्रचार प्रसार प्रमुख सत्य प्रकाश राठौर द्वारा दी गई.

सोलर प्लांट शुरू होते ही 35 लोगों को नौकरी से निकाला गया

विकास ओर नौकरी का झांसा देकर किसानों से जमीनें ले ली, फिर अवैध कब्जा किया

मक्सी, 17 मई. ग्राम हनौती-सूरजपुर स्थित जैक्सन ग्रीन कंपनी एवं कंपनी के क्लाइंट सोलर राइस पर किसानों ने जमीन हड़पने और 35 से अधिक किसानों का रास्ता बंद करने व उन्हें नौकरी से निकालने का आरोप लगाया है. मामला सूरजपुर के पास शासकीय भूमि और किसानों से अधिगृहित की गई जमीनों पर सोलर प्लांट लगाए जाने के है. उस वक्त सोलर कंपनी और प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव में घर-घर जाकर जमीन के बदले एक आदमी को नौकरी और गांव में विकास का वादा किया तथा ओने-पौने दाम पर जमीनें ले ली या यूं कहें कि जमीनों पर सीधे कब्जा ही कर लिया.

किसान अपनी कब्जाई जमीन वापस पाने के लिए पिछले 4 साल से कलेक्टर कार्यालय से लेकर मंत्रालय की चौखट पर अपनी फरियाद लेकर जा चुके हैं. परंतु कॉरपोरेट माफिया तंत्र के आगे सारी उम्मीदें दम तोड़ चुकी हैं. इसके बाद किसानों ने न्यायालय पर दस्तक दी, जिसमें उन्हें उनकी कब्जाई जमीन समय सीमा में लौटाने का आदेश मिल गया. सोलर कंपनी की सांठगांठ के बाद अधिकारियों ने जमीन लौटाने की हिमाकत नहीं की और सीधे न्यायालय के आदेश की अवहेलना की गई. आखिरकार किसान संगठन के नेता और गुर्जर स्वाभिमान मंच, आजाद समाज पार्टी सहित कई ग्रामीणों ने सोलर प्लांट पर पहुंचकर न्यायालय का आदेश बताया और अपनी जमीन लौटाने की मांग की.

अपने ही खेत पर नहीं जा पा रहे किसान

किसान मोहन सिंह गुर्जर ने बताया कि सोलर प्लांट शुरू करते समय मेरे पड़ोसी के खेत का सीमांकन किया और निशान कर दिए. कुछ दिन बाद कंपनी के लोगों ने मेरे सिंचित खेत की 6 बीघा जमीन पर भी अवैध रूप तार फेंसिंग कर कब्जा कर लिया, जिसकी शिकायत मैने संबंधित आधिकारियों से भी कर दी. लेकिन कंपनी और प्रशासनिक अधिकारियों की जुगलबंदी से जबरदस्ती मेरे खेत में सोलर प्लेट लगा दी है. 4 साल बीत जाने पर भी मेरी ही भूमि पर मैं नहीं जा पा रहा हूं. वहीं 35 से अधिक किसानों की जमीनों पर जाने का रास्ता अवैध रूप से बंद किया गया है.

जमीन खाली नहीं की, तो करेंगे तालाबंदी

गत दिनों गुर्जर स्वाभिमान मंच के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र गुर्जर, आजाद समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुर्जर मौके पर पहुंचे एवं कंपनी अधिकारी भूपेंद्र कुमार से बातचीत की. करीब 4 घंटे लंबी चली बातचीत के दौरान कंपनी अधिकारी भूपेंद्र ने किसान की जमीन को 7 दिवस के बाद खाली करने का आश्वासन दिया. मौके पर पहुंचे गुर्जर स्वाभिमान मंच प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र गुर्जर ने बताया कि मामले की सूचना मिली थी, जिसके बाद में शाजापुर पहुंचे. जहां पर कंपनी के कर्मचारियों से बातचीत की. उन्होंने बताया कि कोर्ट का आदेश होने के बावजूद भी कंपनी के कर्मचारी ने किसान की जमीन पर सोलर प्लेट लगा रखी थी. बातचीत के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने सात दिवस के भीतर किसान के करीब 6 बीघा जमीन से सोलर प्लेट हटा कर जमीन खाली करने का आश्वासन दिया है. मामले को लेकर उन्होंने कहा कि यदि 7 दिवस के भीतर किसान की जमीन एवं किसानों की समस्या दूर नहीं होती है, तो आने वाले समय में वे कंपनी पर तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन करेंगे.

जमीन के बदले किया था नौकरी का वादा...

मामले में किसानों का कहना है कि जिन किसानों की जमीन कंपनी ने ली थी. जिस पर सोलर प्लेट स्थापित की गई है. उन किसानों को रोजगार देने की बात कही गई थी, लेकिन कंपनी के कर्मचारियों के द्वारा नियमों का पालन नहीं किया गया है. जमीन लेने के बाद 35 किसानों को नौकरी से निकाल दिया. मामले में यदि किसानों को न्याय नहीं मिलता है, तो आने वाले दिनों में उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा. मामले में स्थानीय ग्रामीण युवक एवं किसानों ने बताया कि कंपनी के कर्मचारियों की नीति के चलते किसानों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

एक नजर में — मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का शाजापुर में शुभारंभ, स्वयंसेवक ही संभाल रहे व्यवस्थाए

मालवा प्रांत के 28 जिलों से आए 234 शिक्षार्थी ले रहे प्रशिक्षण

शाजापुर, 17 मई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का औपचारिक शुभारंभ रविवार को शाजापुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर दुपाड़ा रोड परिसर में हुआ. इस संघ शिक्षा वर्ग में मालवा प्रांत के 8 विभागों के 28 जिलों से कुल 234 शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करने पहुंचे हैं.

वर्ग का शुभारंभ प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री, वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सैनी, वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार द्वारा मां भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया. डॉ. प्रकाश शास्त्री ने शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव और व्यक्तित्व निर्माण की एक साधना है. 15 दिनों तक परिवार और व्यक्तिगत सुविधाओं से दूर रहकर स्वयंसेवक सामूहिक जीवन, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संगठनात्मक जीवन का अभ्यास करते हैं. वर्ग का उद्देश्य ऐसा कार्यकर्ता तैयार करना है, जो समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए अपने परिवार, व्यवसाय और सामाजिक दायित्वों का भी प्रमाणिकता के साथ निर्वहन करे. उन्होंने कहा कि संघ कार्य का मूल मंत्र व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण है. वर्ग में कम साधनों में सामूहिकता के साथ जीवन जीने की प्रक्रिया स्वयंसेवकों में समायोजन, सहनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करती है. यहां बौद्धिक चर्चा, शारीरिक प्रशिक्षण, योग, खेल, गीत, समता, नियुद्ध एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास किया जाता है.

प्रदर्शनी का उद्घाटन

वर्ग परिसर में वंदे मातरम के 150 वर्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है. प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया. प्रदर्शनी में राष्ट्र जागरण, सेवा, सामाजिक समरसता, ग्राम विकास, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न आयामों को चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है.

15 दिनों तक होंगी गतिविधियां....

आगामी 15 दिनों तक चलने वाले इस वर्ग में प्रतिदिन प्रात: से रात्रि तक निर्धारित समयानुसार शारीरिक एवं बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाएंगे. वर्ग के समापन पर होने वाले प्रकट कार्यक्रम में शिक्षार्थी अपने प्रशिक्षण, अनुशासन एवं विविध कौशल का प्रदर्शन करेंगे. विशेष बात यह है कि पूरे वर्ग की व्यवस्थाएं स्वयं संघ के कार्यकर्ता ही संभाल रहे हैं. भोजन व्यवस्था, आवास, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा, जल प्रबंधन एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं का दायित्व स्वयंसेवकों द्वारा सेवा भाव से निभाया जा रहा है. वर्ग में कार्यकर्ता बिना किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा के अनुशासित एवं आत्मीय वातावरण में कार्य कर रहे हैं, जो संघ की कार्यपद्धति और सामूहिक जीवन का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है.

307 लोगों ने योग में सहभागिता की

शाजापुर, 17 मई. संचालनालय आयुष मप्र के निर्देशानुसार 21 जून 2026 को बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन प्रदेश के समस्त जिलों में व्यापक स्तर पर किया जाएगा. जिसके अंतर्गत 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मई 2026 से प्रति दिवस सुबह 8 बजे से 8.45 बजे तक पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल से योग आयोग मप्र के योग विशेषज्ञ द्वारा ऑनलाईन आयोजित किया जा रहा है. जिसका उद्देश्य आम जन तक घर-घर योग को पहुंचाना है. जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम ने बताया कि आयुष विभाग शाजापुर के अंतर्गत 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 12 औषधालय और 1 आयुष विंग में कार्यक्रम का सतत आयोजन हो रहा है. लैपटॉप, टीवी, मोबाईल आदि साधनों से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कर सभी योग प्रशिक्षको द्वारा ग्रामीण जन को योग कराया जा रहा है. नोडल अधिकारी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश गुर्जर ने बताया कि 16 मई को जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में कुल 307 लोगों ने योग में सहभागिता की.